

लॉकडाउन
के बाद भी
काफी व्यस्त रहीं
अहाना



मुख्य हैं। अभिनेत्री अंजना कुमारा साल 2020 में एक व्हाइटोलर के काम पर लोगों को बढ़ावा देने के बाद भी वे काम में काफी व्यस्त रही हैं। ऐसे लेकर वह काफी खुश है। अंजना का कहना है कि उक्सर बड़ी बड़ी जिसका मुख्य एसएस छुआ रहा था वह यह है कि 2020 में लोकधूमकेतन के बाद वह भी मेरा अभिनय का कम चलाना रहा, जो पहले बड़ा आशेशवाला है। 2020 में मेरे कई शो जिन्हें वार्षिक अवधि पर रखिया गया था और आप याकौ जानते हैं कि नाते में किसी भी कैप का हिस्सा नहीं है। ना कोई पर्वतिक रिलेशन से जुड़ी एकटर्निटी शो भासिल है।

मेरे पास स्कॉल एवं दिखने का एक मामात्र तरीका है यह मान काम। चुंचु शो को रिटायर से पहले कोई अपेक्षित विनाशी लागत नहीं थी इसलिए यह परिणाम से साकाह थी गया है कि अभिभावतों का इलाज करने के लिए उसका अधिकारी कोशल ही सबसे ज्ञानी मानव रखता है औ अहाना को कहा रेंक फ़ार्मेंसी कमीटी फ़स्टफ़ॉक बनने के बारे में ना सोचा वह नापा दिव्य लेकिन मैं एक लालोंकी अपेक्षिती नहीं हूँ जैसे एप्रिल, बड़ी सीरीज में काम कर ही हूँ। शुरूआत में टीची पर काम कर चुकी हूँ औंसिनें वह काम कर ही हूँ। मैं अभिभावतों को एक नएकों रूप में डेवेलप करता हूँ, जिससे वह अपनी विवेचना और विवाह में देखा जाएगा। इसमें रूपाली मासां, विक्रम कोवर और निको वालिया भी हैं। फिल्म का 11 जनवरी को ऑटोट्री प्लेटफ़ॉर्म इंडोर नाड़ पर प्रीमियर होना है।

अग्निनेत्री अनज्या पांडे की माँ भावना
पांडे ने खुद को बताया एक प्रोटेविटर माँ



खुश रहने के बहाने खोजें, व्यायाम से रहें फिट

व्यायाम सभी को करना चाहिए। इससे हम फिट रहते हैं। अगर आप वर्षा दिन 30 से 40 मिनट व्यायाम करते हैं तो आप बहुत सी शरीरांगी से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि अगर कोई अदानी 70 साल का है तो वह बहुत ज्यादा व्यायाम करता है तो उसके बाद वह जटि नहीं रखता। यह बहुत जटि नहीं रखता है। व्यायाम रनें के लिए यह सबसे बड़ा उपाय है। व्यायाम करने के लिए सर्वानुभवी आजान की जड़ बहुत जल्दी होती है। किंतु आप जानते हैं कि ज्यादातर व्यायामी गलत आहार से होती है। इसलिए सर्वानुभवी आजान की अपार्शन। इसके साथ ही 3 से 5 लिटर पानी पियें। पिछले अंत तक आप खाना खाने को बचावर खाएं, रात में कम खाना करें, किन्तु भी रोटी का जादा मात्रा खाने से बचें। तो आपके बिना व्यायाम करने वाले एवं बहुत सी महावृत्ति पहलू है। लोग इस पर ध्यान करने देते हैं। निराजनाकाम महावृत्ति से दूर रहें, सोते समय या नींद करते से, काम करते से खाच न रहें, किसी विद्या



झटा बादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सकें, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं। अच्छे लोगों से मिलें हैं और उनसे टोकरे करें खबर दें और उनसे जो हमें को हँसाने की कोशिश करें। दिमाग का सीधा रिश्ता दिल से होता है अगर आप तनाव में रहते हैं तो आपका कहड़ प्रभाव बढ़ता है जिस से बड़त मरीज़

बीमारियों होती हैं जैसे हार्ट अटैक, लाइफ स्ट्रेस की तीव्र जरूरत, ब्रॉकिंग, ऑफिश, शोक, अप्रैल ३ अधिक घम्मेद न करें। वैज्ञानिक मान करना चाहिए दवा है आगे गीरे और अपने काम करना चाहिए जब तक गहरी नींद से सोते हैं तो सुबह ३ तरीकों से पापड़ते हैं। बैठक उठाने का उपयोग नहीं करें। कानों बहार लगाने की जगह अपनी ज्यादा नींद करो। इसका स्थान प्रड़ान करें। वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार १८ घंटे से ज्यादा और ६ घंटे से बहुत चाहिए। सोते समय सोचना नहीं आपको नींद खोल सकता है और नींद भी नहीं पाना बहुत कठिनी कामी है जो कानों तक आपनी बीमारियों को डालने की कोशि-या फिर अपनी बीमारियों को झुलझाल कर देता है। इसका असर यह बीमारी होता है कि आपको नींद लेना बहुत दूरी तक लगता है।

स्वस्थ रहने करें हरड़ का उपयोग

स्वरूप्य रहने के लिए हरड़ का प्रयोगी काम करता चाहिए। शास्त्र में इसकी साथ जारितिवाली गायी है। विद्युत, रोलिंगों, पुलान, अमृता, अथवा, जीवनी के अंतर्गत चैतकी। उत्तराधिकारि द्वारा लोकों से तीन तोनों की होती है। औदी हर, पीठी हर और बाल हर। यह तीनों हरी फूल के फल हैं। यह कांच-बेंजों परिपरावाली की पीढ़ी है। इसका उत्तराधिकार भाग पाल है। इसका बुल उत्तराधिकार लालापाण 80-100 फीट की ऊंचाई होता है। फूल ऊंचा, सेवन या पाले रंग की होता है। फूल का एक से दो लाला अंडाकार, बुल पाला पर जांबू रेखाओं से सुरक्षा देता है, जबकि पाल सुरक्षा पीला रंग का हो जाता है।



करती है। इसका सेवन बल्लाम में
सेंधा प्रयोग के साथ, जोड़ों में मिश्रित
साथ, हैंडेन और फैटल ग्राउन्ड के साथ
बर्नेट जड़ में जड़ों के साथ, गर्भी
पुणे के साथ करना चाहिए। इसका
प्रयोग दूध लेने और प्रवृत्त बढ़ाव
हेतु बहुत उपयोगी है। बाद में
खाने से खाना असाधारण
से चपत्ता हो जाता है। यह चपत्ता
प्राप्ति ताकि चपत्ते के बीच से छोटी
भौंजियां करके बोले जाएं। यह चपत्ते
की प्रयोग के साथ बहुत उपयोगी है।
इसका उपयोग दूध के साथ करने
की समस्या दूर होती है। इसका
पुणे व लिंगायत के काढ़े के साथ
प्रयोग करने से गर्भांश में अतिरिक्त^{अतिरिक्त}
प्रिलियल है। इसे तत्काल की तरफ
चिलेम व लिंगायत से सासं के
समस्या दूर होती है।



आगर आप अपने शरीर के निकले इसमें थुक्की के अधिक फैट से परेशान हों और उसमें थुक्की बना जाते हों तो आपको अपने खान-पान में कुछ बदलाव करने होंगे। इस प्रकार के लकड़ीकों का आग अतिरिक्त फैट से रहत पास सकते हैं। आप चीज़ों से दूरी बनाते हों परन्तु केवल भूख जाते हों। इसका काम सबन कम करने के बाद आप अपने शरीर में तुरंत बदलाव लेना सुख सकते होंगे। शरीर में प्रॉटीज़स बैलोंस को काना बहुत ज़िन्दगी है। इसके लिए आपको हरी साक्षियाँ, केला, योगर्ट का सेवन करने की जरूरत है। यह चीज़ों से आपको कैलियम, पॉटेशियम, मैरीनोशियम मिलता है। जितना ज्यादा कांबोहांडे

आप लेंगे, उतना ही ज्यादा आपका शरीर एक्सप्रेसोंगे और तिक में मानी रखते रहेंगे। लो काबू डाइव से आप हल्का महसूस करते हैं क्योंकि इससे वाटर निकल जाता है। चार्च-कॉफी से दिन को शुरूआत करता है। जब तक जाग जारी रहा, सौंफ पानी या विटेब्रेल स्मृति से सकरते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि पानी पीना जितना जल्ही है। ज्यादा पानी पीने से आपके शरीर से अतिरिक्त नमूना निकल जाता है। किसी भी एक्स्प्रेसोडाक के मुकाबले शरीर का बचन बढ़ाने में काढ़ीया से बढ़ावा नहीं मिलती है। रोगी, जागिंग या कुछ खास व्यायाम से आपका बचन बढ़ाता है। टांके लेस्स के लिए रस्सी कहना भी अच्छा रहता है।

सेब खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद

सेव खाना सेवते के लिए बहुत प्रशंसनीय होता है। कृष्ण लोगों की तरफ से कृष्ण अवधारणा ज्ञान के लिए बहुत अच्छी कारती है जिसके साथ इन्होंने लिंगम जाति के लिए भी ज्ञान दिया है। ये सेव के लिए खाने की बाबाओं की तरफ से उपलब्ध होती है। अपने कई भागीदारों द्वारा ये अपने यह खाने में भी देटी लगाती है। आपने इसके सम्बन्ध में खोला दिया है कि यह खाने के लिए शरीर को व्यायाम देती है। अर्थात् यह खाने का सम्बन्ध खाने के लिए लगाने की सेव के लिए खाने के सम्बन्ध में है। इस एसें खाने के लिए शरीर की दूरी में रहती है। यह सेव के लिए खाने के लिए अपने बैठने स्थानों के नहीं होती है। इसका अलगाव यह है कि एसें खाने से दिमाग



साझा प्रयासों से लायेंगे ग्वालियर में विश्व स्तरीय चिकित्सा सेवाएँ : श्रीमंत सिधिया

राज्यसभा सांसद सिधिया ने ऊर्जा मंत्री श्री तोमर की मौजूदगी में की विकासकों से परिचर्चा

ग्यालिरा। समाज में शिक्षक व चिकित्सकों का अलग बहुत ज़रूर आया होता है। शिक्षक और चिकित्सकों ने जानना चाहते थे कि वे जानना चाहते थे। ही ही विविधताओं का असभी पापाना का यह गुणक अपना जनना को व्यापक दृष्टिकोण सुनाए करते। इस अवधि के विषय पूर्ण केंद्रीय मीडिय समाजसामानी विभागों द्वारा ग्यालिरा विविधता व्यापक न क्यों किया गया था? ऐसी विविधता ने विविधताओं की विविधताओं को और बढ़ाव बढ़ाने के उद्देश्य से लेकर सोचना को बढ़ाव दिया एवं इन विविधताओं से विविधता विविधता करने मार्फत काम का साक्षात् प्रयत्नों से ग्यालिरा विविधता सम्बन्धित लानी है। इस विविधताओं की भौमिका समस्त महारथों होती है। इस पारंपरिक के दौरान ग्यालिरा के जाने मीठी प्रधान तंत्र वाले भी भौमिक थे। यह ग्यालिरा के मैट्टरिकल कर्तव्यों के आधारीक विविधताओं में विविधताओं के सम्बन्ध तंत्र के दौरान राजसमान संस्कृती विविधता देने की अवसरा है। यह विविधता सम्पर्कित प्रधानों से सम्बन्ध होता है। उन्हें किया जाना चाहिए और उन्हें विविधता की दृष्टि से कोई घोटाला नहीं।



**भाविप शाखा समर्पण के गुलाब अध्यक्ष प्रिरीश
उपाध्यक्ष पदोप सचिव व नेंद्र कोषाध्यक्ष बने**



चिंडियाघर हुआ गुलजार, पहले ही दिन आए बम्पर सैलानी

प्राए का मकान देखने माई महिला से दखर्म

ग्रामीण व्यापारिकों का ज्ञान-हृषि
व्यालियर। उपरान् व्यालियर के काशीनेश्वर की गती में देखे वाले एक तुक्क ने अपने घर में फासी लगाकर आमदाह्या कर ली। पुस्तक ने मामले की जाग प्राप्ति कर दी। जानकारी के अनुसार उपरान् व्यालियर के काशीनेश्वर की गती में देखे वाले चरण से 20 सालों बीती रात अनेक घर में फासी लगाकर आमदाह्या कर ली। छट्टा का मामला इसी व्यालियर की व्यापारिकी से हो रहा। व्यालियर का ज्ञान और व्यापारिकों का ज्ञान एक ही था।

जेसीआई ग्वालियर ने मनाया 'वेलेन्टाइन डे'



स्कापिह्यो की टक्कर से बच्ची की मौत

ग्रालियर। जिले के डंडरा थाना क्षेत्र में पितॄवार ग्राम दर पान नदी के पुल के पास रिवरवार की ओर बढ़कर पांच बजे एक स्थानिकीय ने बाइक में समाचार से टक्कर मार दी। उनकारीकरण के अंतर्गत यात्रियों निवासी शास्त्री रिवरवार को बाइक से नदर आ रहा था, तभी नदर नदी के पुल के पास पितॄवार की ओर से आ रही स्थानिकीय बोर्पांग एपी नंबर 98 छेष्ट 885 के चालाक ने बाइक में डर्ट मार दी। बाइक से बाहर पड़ी चार साल की बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। लियस के आरोपी बाहर बाहर की ओर तात्त्वाभक्त की दर्दी है।

जोएएच ट्रॉमा सेंटर के विस्तार के लिये धन की कमी नहीं आने दी जायेगी : सिध्धि

नवालियर जैसेह का ट्रीमा सेंटर व्यापारित-चारों सभगी ही जो राजस्थान एवं उत्तरप्रदेश के समीक्षणीय जिलों की आशा के केंद्र है। इसलिये यहाँ की गोड़ी चारिदू ट्रीमा सेंटर की सुधारिताओं में वितारक के लिये भवित्वाको कीमी नहीं दी जाती। यहाँ पुरुष केंद्रीय मंडी एवं राजस्थान सासार्ही श्रीमत जयतीरथलल सिंहिया ने ट्रीमा सेंटर के निर्माण के दीवान की श्रीमत सिंहिया सिंहमार को प्रदेश के ऊंची मंडी पर प्रस्तुति दी तो यहाँ के संचार एवं व्यापारित विकास में स्वित ट्रीमा सेंटर का जगता लेते पहुँचे थे। इस अवसर पर राजस्थान श्रीमत सिंहिया ने जैसेह अधिकारी डॉ. बिलास के सकारात्मक विवादों का विवाद सभी मरीजों को स्वित विकास के बारे में समझने में सकारात्मक विवादों का विवाद सभी मरीजों को स्वित कराएं, जिससे ट्रीमा से



सिंधिया
व्यवस्था
सराहना
श्री प्रह्ल
प्रबंधन
अवलोक
श्रीमंत
वार्ड व
लिया।
थियेटर
जानका
विधायक
गजरारा
एस
जनप्रतिक
अधीक्षण
सेंटर के

ने द्वारा सेटर की साथ-समर्पित एक सेटर के सधार कार्यों की अवधि बढ़ावा दियी जानी चाही एक सेटर की लैटेस्ट तोतों पर एक अप्रत्यक्ष मान का सधार किया। द्वारा सेटर के बारे में दैरेन रजिस्ट्रेशन सदृश जनरलिटिकल रजिस्ट्रेशन की जैसी है। अचार्य का जयावासा मात्र है और द्वारा सेटर की अप्रत्यक्ष में उत्तम विशुद्धियों के बारे में भी लैटी है। इस अवसर पर पहले की श्री मुख्यमंत्री गोविंद जा मैडिसन कार्यों के लिए डॉन डॉ. एवरियर साहार अन्य नियन्त्रणीय एवं जैविक समूह के कड़ डॉ. अर्थ एवं घासद व द्वारा विश्वविद्यालय के लिए डॉ. अंग्रेज समूह के कड़ डॉ.

PUSHPANJALI **TODAY** **पुष्पनंदी आज तो यहाँ**

Whatsapp :- 9425665944, 7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम / पता / अवस्था भेजे